the Government there are in support of these people. I would like to know whether it is fact that such large number of young girls from the North-East are being lured to go to South-East Asia, and, I would like to know whether the government is giving any help in the form of travel and other facilities. This is a very serious problem. I would like to know whether any such thing has come to the notice of the hon. Minister. This is my simple query.

DR. MURLI MANOHAR JOSHI: I have made a note of this question because the question relates only to the Indian conditions.

MISS MABEL REBELLO: Sir, a lot of school children, especially, the tribal children from the Chota Nagpur area, Raigarh, Sabguja in Madhya Pradesh, and Ranchi, Gumbla and other areas in Bihar are brought to Delhi, Calcutta and Bombay as domestic servants. Most of them are being ill-treated and eventually they become child prostitutes. My first question is this. Does the hon. Minister have any figures? Does the government have any figures about this? Have they ever made any study of this? If they have the figures, how do they propose to rehabilitate them?

Secondly, has the Government ever dwelt deeply to know the causes of why there is child prostitution? How are the children being lured? Who is doing this? is there any gang operating it? Does the Government have any measures? Does the Government have any plans to unearth this sort of gang? And what do they want to do in order to do away with child prostitution and all the gangs that are operating in this country?

डा. मुरली मनोहर जोशी: महोदय, मैने बताया कि इस व्यापार में जाने का मुख्य कारण निर्धनता, गरीबी बेरोजगारी और इसके अलावा जो लोगों पर सामाजिक कलंक लग जाता है वह है और कुछ पारिवारिक परंपरा है । इनको मै विस्तार से बता चुका हूं । जहां तक इ स रूप को दूर करने का सवाल है उसमें सबसे पहली आवश्यकता यह है कि हम आर्थिक दृष्टि से इन वर्गो को सम्पन्न बनाए उनको आर्थिक दृष्टि से मजबूत करें ....**(व्यवधान)**

डा. मुरली मनोहर जोशी: सबके लिए है । जो ट्राइबल्स, बैकवार्डस, शिड्यूल्ड कास्ट्स एण्ड शिड्यूल्ड ट्राइब्स, सबको, सब माहिलाओं को आर्थिक दृष्टि से सम्पन्न करने के लिए आत्मनिर्भर करने के लिए योजनाओं की जरूरत है उसी के आधार पर यह काम हो सकता है । बच्चों के लिए आपने पूछा । आपको स्मरण होगा इसी सदन में हमने यह घोषित किया था कि हम एक राष्ट्रीय बाल आयोग बनाएंगे जो बच्चों के अधिकारों की रक्षा करूंगा और उस संबंध में हमारे मंत्रालय संबंधित सलाहकार समिति है उसमे चर्चा की हुई है और वह बनने के लिए हम आगे बढ़े हुए है तो एक प्रकार से इसी तरफ ध्यान दिया जा रहा है कि बच्चों का अब्यूज न हो उनका शोषण न हो और वे इस प्रकार के अनैतिक व्यापार से बचाए जा सकें । सरकार इस मामले में पूरे तौर पर सचेष्ट है ।

SHRI ADHIK SHIRODKAR: The hon. Minister has just now answered that our attitude towards women has to undergo a radical change, but the manner in which - women is projected in the movies in a degraded manner, where repeatedly rapes are shown, the lesbian spirit is shown, has this anaesthetised our attitude towards women? And if this is the major factor, then, is there any provision made to undertake radical changes in the manner in which these scenes are projected in movies?

डा. मुरली मनोहर जोशी: महोदय, महिलाओम को अश्लील रूप में चित्रित न किया जाए इस संबंध में कानूनी सुधार करने की सिफारिश हमारे पास है औत उस पर हम संबंधित मंत्रालयों से विचार करने के बाद ही कुछ कार्यवाही करेंगें ।

Track Renewal in Gujarat

*83. Shri Ahmed Patel: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether track renewal was undertaken in Gujarat during the last three years;

(b) if so, the details thereof, year wise;

(c) whether Government have identified the rail tracks, particularly the narrow gauge lines, for renewal during 1998-99;

(d) if so, the details thereof; and

(e) by when the renewal work is likely to be completed in the State?

THE MINISTER OF RAILWAYS (SHRI NITISH KUMAR): (a) to (e) A statement is laid on the Table of the House.

Statement

(a) and (b) Track renewal works are not sanctioned State wise and often fall in two or more states. Gujarat is served mainly by Western Railway and only a small portion of the track is in Northern Railway. In the State of Gujarat the track renewal carried out in the last three years, in kilometres is as given below:--

Year		1995-96	1996-97	1997-98
Renewals	Western Railway	143.64	155.97	152.80
	Northern Railway	Nil	Nil	Nil

(c) and (d) Yes, Sir. Track renewals, targeted for the year 1998-99 for the state of Gujarat in kilometres are as under:—

Western Railway:

Broad Gauge: 115

Meter Gauge: 40

Narrow Gauge: Nil

Northern Railway: Nil

(e) The renewal of track is an on going process and is undertaken as and when the track needs replacement, subject to availability of funds.

श्री अहमद पटेल: सर, मंत्री जी के रिप्लायी से यह मैं महसूस कर रहा हूं और पिछले कुछ सालों से यह आब्जर्व किया जा रहा है कि जहां तक ट्रैक रेन्यूवल का सवाल है, रेल सुविधाए उपलब्ध कराने का सवाल है या गेज़ कंवर्शन का सवाल है, या तो गुजरात को कम ही मिला है या फिर गुजरात के साथ अन्याय हुआ है। मैं उदाहरण के रूप में खास तौर से नैरोगेज़ जो लाइंज है उसके बारे में यहां जिक्र करना चाहूंगा।.....(व्यवधान)

श्री मती सरोज दुबे: सभापति महोदय, इस पर महिलाओं को तो बोलने का मौका ही नहीं मिला।

MR. CHAIRMAN: Twenty minutes have been taken on this one question. *(Interruptions)* You can ask for a half-an-hour discussion on this issue.

श्री अहमद पटेल: जहां तक नैरोगेज़ लाइन का सवाल है, ज्यादातर नैरोगेज़ लांइस पिछड़े हुए इलाको में है या गरीब इलाको में है और रेप्लायी से यह महसूस होता है जो उन्होंने टार्गेट दिया है रेनेयुव्लज ऑफ्द नैरोगेज़ लाइन के बारे में निल दिखाया है। स्पेसेफिक उदाहरण मै देना चाहूंगा, अंकलेश्वर-राजपिपला, अंकलेश्वर-झगडिया, नेत्रण, कोसबा उमरपाडा और दभोई-बोडली-छोटाआ उदयपुर लाइन तब रेल मंत्री जी ने 1997 में अपनी स्पीच में जिसका जिक्र किया। इतना ही नहीं 11 जून, 1997 के रोज़ वह वहां पर पहुंचे और शिलायन्स किया गया। सिर्फशिलान्यास के बाद आगे की कोई कार्यावही नहीं हुई। वही पत्थर लगा हुआ है। वहां के लोग सरकार का मज़ाक उड़ा रहे है। मैं मंत्री महोदय से जानना चाहूंगा और इसके बारे में मंत्री जी को भी मैंने 10 जुलाई को चिट्ठी लिखी, उन्होंने 24 जुलाई को एक्नॉलेज भी किया, मैं मंत्री महोदय से स्पेसेफिक तौर पर जानना चाहूंगा या ठोस आश्वासन चाहूंगा कि तब के रेल मंत्री वहां गए और जो शिलान्यास किया उसके बारे में आप आगे की कुछ कार्यवाही करने जा रहे है या नहीं? या यह जो नैरोगेज़ लाइन जो 1992 में फ्लड आए थे, उसमें बह गइ थी उसकों फिर से रेस्टोअर करने जा रहे है या नहीं? अगर करने जा रहे है तो कम तक यह कार्य संपन्न होगा?

श्री नीतीश कुमार: सभापति महोदय, मूल सवाल ट्रैक रेन्यूवल का है, लेकिन स्प्लीमेंटारी इन्होंने रेस्टोरेशन के बारे में पूछी है।

श्री अहमद पटेल: मैने दोनों का जिक्र किया है।

श्री नीतीश कुमार: फिर भी अहमद पटेल बहुत ही वरिष्ठ सांसद है और हमारे मित्र भी है। ..... **(व्यवधान)**

श्री अहमद पटेल: मेरे ख्याल में गुजरात के साथ हमेशा अन्याय हुआ है या कम मिला है। आप फिर भी देखेंगे तो सिर्फ वेस्टर्न रेलवे की आपने बात की है, जिसमें से डेढ़ सौ किलोमीटर रेन्यु करने की आपने बात की है। मैने दोनों जो समस्याएं है उनको जोड़कर आप से बात की है।

श्री नीतीश कुमार: मै वही कह रहा हूं कि मूल सवाल तो रेन्युवल से संबंधित है, लेकिब स्पलीमेंटरी रेस्टोरेशन के बारे में पूछी है। लेकिन फिर भी वह वरिष्ठ सांसद है और हमारे मित्र भी है इसलिए हम उनका जवाब देना चाहते है। वैसे हम कह सकते थे कि इसके लिए अलग से सूचना चाहिए। लेकिन यह ठीक नहीं होगा और उनके साथ न्याय करने के समान नहीं होगा। इन्होंने अभी पांच रेल लाइनों का जिक्र किया है जो नैरोगेज़ लाइन्स है और पिछले वर्षो में प्राकृतिक विपदा के कारण उनके पुल टूट गए, रेल लाइनों में दरार आ गई, बांध में दरार आ गई और उसके चलते ट्रेन का परिचालन बंद कर दिया गया। उसके बारे में भी जानकारी प्राप्त की है और उसके हिसाब से उन लाइन्स

का रेस्टोरेशन करने की एक योजना बनी और यह योजना 1997 में बनी थी। रेलवे बोर्ड ने फैसला किया था कि 5 रेल लाइनों को रेस्टोर किया जाएगा और उसमें जो पुल है उन पुलों को फिर से बनाना पड़ेगा। खास तौर से जब एक बार हम बनाएं तो ब्रॉडगेज स्टैंडर्ड का ब्रिज बनाएं। फिर जहां-जहां मिट्टी के काम की जरूर्त है मिट्टी का काम भी पूरा करें और फिर ट्रैक को रेस्टोर किया जाए। यह योजना बनी थी। लेकिन उस पर कोई खास प्रगति नहीं हो पाई। मैने जानकारी प्राप्त की तो यह मालूम हुआ कि यह एस्टीमेट बना है जोनल रेलवे में लेकिन उसका सैक्शन नहीं हुआ है। इसलिए मै ने इस बारे में बातचीत कर ली है। एस्टीमेट सेक्शन कर के टेंडर निकाल दिया जाएगा और मै समझता हूं कि यह कार्यवाही एक महीने के अंदर पूरी कर ली जाएगी और इसे पूरा करने के बाद आगे काम प्रारंभ किया जाएगा।

श्री अहमद पटेल: धन्यवाद। महोदय, मेरी सेकंड सप्लीमेंटरी यह है कि आप ने अपने उत्तर में कहा है कि वर्ष 1998-99 के दौरान रिनुअल टार्गेटेड निल है। मैं जानना चाहता हूं कि क्या रेल मंत्रालय की यह योजना है कि नैरो गेज लाइन को बिल्कुल बंद कर दिया जाए या जहां भी नैरो गेज लाइन है, उस का कनवर्सन कर के उसे ब्रॉड गेज बनाया जाए? इस बारे में मंत्री जी कुछ बताए तो में अभारी रहूंगा।

श्री नीतीश कुमार: सभापति जी, अहमद पटेल साहब जिस पार्टी के सांसद है, उसी पार्टी की सरकार के जमाने में एक "यूनीगेज" कार्यक्रम शुरू किया गया था। उस में एक बडी महात्वाकांक्षी योजना बनी कि सारी गेज ब्रॉड गेज में बदल दी जाएं। उसी समय से नैरो गेज और मीटर गेज लाइंस पर ध्यान घटता चला गया कई और चीजों पर भी ध्यान घटता चला गया, लेकिन रेलवे की जो स्थिति है उस में सारी मीटर गेज और नैरो को ब्रॉड गेज में बदलने में काफी समय लगेगा और बहुत धनराशि की आवश्यकता होगी। इस बारे में स्टेटस पेपर में भी संक्षिप्त चर्चा की गयी थी और बाद में प्रोजेक्ट्स के बारे में जो व्हाइट पेपर बनाया, उस में डिटेल्स में सदन को काफी कुछ जानकारी दे दी गयी है। लेकिन यह एक समस्या है, इसलिए जब मै ने कार्यभार संभाला तो इस समस्या पर चर्चा की कि जब हम नैरो गेज और मीटर गेज को ब्रॉड गेज में कनवर्ट करेंगे तो उस में वर्षो-वर्ष लगने वाले है और यह मामला 11वीं, 12वीं पंचवर्षीय योजना तक चला जाएगा और इस बीच में नैरो गेज और मीटर गेज लाइंस का क्या होगा? इस संबंध में सरकार के सामने दो ही सूरतें है। सभापति जी, कई जगहों पर इस तरह से गेज कनवर्सन कर दिया गया है कि कुछ आयसोलेटेड पॉकिट्स बन गया है और वहां पर ट्रैंन चलाना काफी मुश्किल हो गया है। रोलिंग स्टोक मेम कोई खराबी आती है, उन का ट्रांसशिपमेंट कर के उन्हें दूसरी जगह ले जाया जाता है। इस तरह की एक नहीं, कई प्रकार की समस्याएं है और यह जो एक कार्यक्रम बनाया गया था, उस समय इन तमाम चीजों पर विचार होना था। मैं नहीं कह सकता हूं कि आगे जो हरेक परिस्थिति उत्पन्न होगी, उस पर विचार हुआ, बहरहाल उस के नतीजे सामने आ रहे है। इसलिए हर जगह से यह मांग है कि इस को ब्रॉड गेज में बदल दिया जाए जबकि पैसे की उपलब्धता के आधार पर ही इस की स्वीकृति संभव है। अभी जो योजनाएं ली जा चुकी है, उन्हीं को पूरी करने के बारे में व्हाइट पेपर में मैंने बतलाया है कि कितने रुपयों की जरूरत होगी। तो यह एक मुश्किल परिस्थिति है, लेकिन अगर मीटर गेज और नैरो लाइंस हमारे पास है तो उन को चलाया जाना चाहिए। हमारी सरकार की यह नीति है। इसलिए हम ने मीटर गेज लाइंस के लिए खास तौर से चर्चा की है उस में जो उन की रोलिंग स्टोक की ओर मेंटेनेंस्स की रिक्वायरमेंट है, उस पर दो-तीन महीने पहले हम ने एक रिव्यु मीटींग की है उस के हिसाब से जिन नैरो गेज लाइंस और मीटर गेज लाइंस का गेज कनवर्सन फिलहाक संभव नहीं है, उन पर रेल को चलाने की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए जरूरी कदम रिनुअल और दूसर मेंटेनेंस के लिए उठाए जाने चाहिए, ऐसी योजना बनाने का मैने निर्देश दे दिया है।

SHRI GOPALSINH G. SOLANKI: Mr. Chairman, Sir, so far as Gujarat State is concerned, narrow gauge tracks are more than broad guage tracks. The Railways are removing narrow gauge lines. The hon. Railway Minister stated that they were going to restore three or four routes. This matter was discussed with him. He had promised that they were not going to dismantle Lunawada-Godhra narrow gauge line. But I came to know that some tenders were floated to uproot the whole narrow-gauge line. They are going to dismantle it..

So far as the Baroda-Pratap Nagar-Sotaudyogpuri line is concerned, it got uprooted owing to floods in 1992. At the same time, I could also see that the Kosamba-Umarpada narrow-gauge line in Broach district also got uprooted owing to heavy rains. But so far it has not been restored. May I know from the Railway Minister by what time they are going to restore it? May I also know from the Railway Minister why they are removing the

Godhra-Lunawada narrow gauge line?

श्री नीतीश कुमार: सभापति महोदय, गुजरात प्रदेश में जो नैरोगेज की पांच लाइने है-अंकलेश्वर-राज पिपला, कौशंबा-उमरापारा, बदेली-छोटा उदयपुर, जगदिया-नतरंग और दभोई-तिंबा, इन पांचो लाइनों को रेस्टोर करने का निर्णय लिया गया है । बाकी किसी स्पेसिफिक लाइन के बारे में माननीय सदस्य जो पूछ रहे है, उसके बारे में मैं उनको अलग से जवाब भिजवा दूंगा, लेकिन इन्हीं पांच लाइंनो को रेस्टोर करने की बात है ।

SHRI GOPALSINH G. SOLANKI: In regard to the Godhra-Lunawada line, you have only to restore the train. There is no damage to the line.

श्री नीतीश कुमार: जिस लाइन में रेस्टोरेशन की जरूरत नहीं है, उसमें क्या प्रोब्लम है?

गोपाल सिंह जी. सोलंकी: सर, ट्रेन ही नहीं चलती ।

You have only to restore the train.

श्री नीतीश कुमार: ट्रेन चलाने की बात है, लेकिन यह तो ट्रेन के रिन्युवल और रेस्टोरेशन का सवाल है । जहां तक ट्रेन चलाने का सवाल है, वह तो बिल्कुल ही भिन्न डिपार्टमेंट है । वैसे आपने कहा है, तो मैं आपको सूचना भिजवा दूंगा, लेकिन ट्रेन चलाने के लिए अलग से सवाल आपको देना चाहिए ।

डा. (श्रीमती) उर्मिला चिमन भाई पटेल: सर, मेरा सवाल थोड़ा आ डिसकस हो चुका है, लेकिन फिर भी मै दोहराना चाहूंगी कि छोटा उदयपुर-बोडेली-प्रतापनगर लाइन, जो साढ़े छह साल पहले वाशआऊट हो गई थी, उसके दो ब्रिजेस पूर्व रेल मंत्री ने भी सेक्शन किए थे, जिसका प्रोसीजर अधूरा रहा था कि बजट में इसका प्रोवीजन हो जाएगा । मैं यह मानती हूं कि यह सेक्सन हो गया है, लेकिन एक्चुअल काम कब चालू होगा? वर्ष 1999 के जनवरी माह में या फरवरी माह में? मंत्री महोदय थोड़ा कुछ इस बारे में आश्वत कर सकेंगे? दूसरी बात, सर, मियागाम-कर्जन-दभोई लाइन, जो रिपेयरिंग में थी और ट्रायल बेस पर ही उसका काम चल रहा है, यह लाईन फुलफ्लेज कब तक मंत्री महोदय चालू करवाएंगे?

श्री नीतीश कुमार: सभापति महोदय, मैने जवाब दे दिया है, जो इन्होने छोटा उदयपुर लाइन के बारे में चर्चा की । एस्टीमेट सेक्सन एक सप्ताह के अंदर हो जाएगा टेडर इन्वाइट कर दिए जाएंगे और इसके तुरन्त बाद यानि आप मान सकते है कि 30 दिन, 35 दिन के बाद जब टेंडर डिसाइड हो जाएगा, उस पर काम लगा दिया जाएगा ।

श्री बंगारू लक्ष्मण: चेयरमैंन सर, जनरली यह फीलिंग है कि सरकार ने यह तय किया घै कि यूनीगेज सिस्टम सब जगह लाएंगे, लेकिन गुजरात में जहां भारी मात्रा में इंवेस्ट्मेंट आए है, इंडस्ट्रियल एक्टिविटीज चल रही है और अन्य राज्यों की तुलना में वहां पर बहुत विकास कार्य हो रहा है, वहां पर यूनीगेज करने की दृष्टि से नैरोगेज और मीटरगेज जो भी लाइन है, जैसा कि कहा गया कि ज्यादा है ब्रॉडगेज की तुलना में, उसको कन्वर्ट करने की दृष्टि से रेलवे मंत्रालय ने जो नई स्कीम निकाली थीं जैसे-बोल्ड स्कीम के अंतर्गत बिल्ड आपरेट और ट्रांसफर वगैरह की, क्या इस प्रकार कि कोई स्कीम वहां पर गुजरात के लिए भी है? जैसा अभी मंत्री महोदय ने कहा कि रिसोरेंस का कंस्ट्रेट है तो उस दृष्टि से इस प्रकार की कोई स्कीम गुजरात के अंदर ली है क्या? अगर ली है तो उसकी डिटेल्स क्या है? मंत्री महोदय इस बारे में बताने की कृपा करें ।

श्री नीतिश कुमार: यह डिटेल्स तो सब कुछ दिया जा चुका है इस सदन में कि किस राज्य का, किस रेलवे के कौन से प्रोजेक्ट है गेज कन्वर्सन के, नई रेल लाइनों की स्थिति क्या है, पैसे की स्थिति क्या है, कब तक वह कम्पलीट हो सकते है । यह पिछले ही सत्र में व्हाइट पेपर माननीय सदन में रखा गया है, जिसमें विस्तार-पूर्वक उल्लेख किया गया है । मै तो माननीय सदस्य को सुझाव देना चाहूंगा कि उस व्हाइट पेपर को निकाल कर वे देखें ।

Spurt in prices of Vegetables

*84. SHRI J. CHITHARANJAN:

SHRI A. VIJAYA RAGHAVAN:

Will the Minister of FOOD AND CONSUMER AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether there has been an abnormal rise in the prices of onion, potato and other vegetables during the last few months;

(b) if so, the details and reasons therefor;

(c) what measures have been taken to bring down the prices of these items in the market to a reasonable level; and

(d) whether Government imported vegetables in the year 1998; if so, the details thereof?

THE MINISTER OF CHEMICALS AND FERTILIZERS AND MINISTER OF FOOD AND CONSUMER AFFAIRS (SHRI SURJIT SINGH BARNALA): (a) to (d) A Statement is laid on the Table of the House.

† The question was actually asked on the floor of the House by Shri J. Chithranjan